

प्रेस विज्ञप्ति

ओआरसी में हुआ युवाओं के लिए रूहानी उड़ान कार्यक्रम का आयोजन

सफलता के शिखर तक पहुँचने के लिए चाहिए जुनून - बिशन सिंह बेदी

वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से ही होगा आपसी स्नेह का संचार - दादी रतनमोहिनी

9 दिसम्बर 2017, गुरुग्राम

जीवन में कुछ भी प्राप्त करने के लिए जुनून बहुत जरूरी है। लेकिन जुनून के साथ-साथ सुकून भी चाहिए। सुकून अथवा शान्ति के लिए योग बहुत महत्वपूर्ण है। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओम् शान्ति रिट्रीट सेंटर में युवाओं के लिए आयोजित रूहानी उड़ान कार्यक्रम में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी बिशन सिंह बेदी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वयं की तालश करना ही वास्तव में योग है। क्रिकेट ने मुझे आध्यात्मिकता से जोड़े रखा। उन्होंने कहा कि हमारा यही उद्देश्य होना चाहिए कि हम जहाँ पर हैं, वहाँ पर अपनी भूमिका को अच्छे से समझें। बेदी ने कहा कि इन्सान जीवन में दो कारणों से ही मुश्किल महसूस करता है। एक तो लोभ से एवं दूसरा डर से। अगर हम इन दोनों से मुक्त हो जाएं तो जीवन जीना बहुत सरल है। उन्होंने खेल से जुड़ा हुआ अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब मैं पहली बार टेस्ट मैच खेलने उतरा तो सबसे पहले मैंने गुरु गोविन्द सिंह के उन दो शब्दों का सिमरण किया जिसमें उन्होंने कहा था कि देही शिवा वर मोहे शुभ करमन् ते कबहुँ न डरूँ।

इस अवसर पर मुम्बई से आई फिल्म अभिनेत्री एवं समाज सेविका प्रियंका कोठारी ने कहा कि अगर युवा तरक्की करेगा तो देश तरक्की करेगा। उन्होंने कहा कि मैं ब्रह्माकुमारीज़ से पिछले 12 वर्षों से जुड़ी हूँ। योग से मेरे जीवन में काफी परिवर्तन आया।

इस अवसर पर विशेष रूप से माउन्ट आबू से पधारी संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी जी ने अपने आशीर्षक में कहा कि वास्तव में ये सारा ही विश्व एक परिवार है। चाहे आज हम अनेक धर्म, जाति एवं सम्प्रदायों में बंट चुके हैं, लेकिन हम सभी एक परमात्मा की सन्तान आपस में भाई-भाई हैं। जब हम सबकी स्मृति में एकता का पाठ रहेगा तभी आपस में हम बड़े स्नेह और प्रेम के साथ रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में सच्ची खुशी तभी अनुभव हो सकती है, जब हमारा मन दूसरों के लिए शुभ भावना और शुभ कामनाओं से पूर्ण हो।

ओआरसी की निदेशिका आशा दीदी ने अपने संबोधन में कहा कि जो जीवन में झुकता है वास्तव में ऊँचाईयों को वही प्राप्त करता है। झुककर के ही हम किसी भी चीज़ को उठाते हैं। उन्होंने कहा कि झुकना ही महानता की निशानी है। उन्होंने कहा कि युवाओं के अन्दर दृढ़ता की शक्ति होती है। युवा एक बार जो ठान लेते हैं वो करके ही रहते हैं। इसलिए युवाओं को अपनी शक्ति को रचनात्मक कार्यों में लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता अनुसार टेक्नालॉजी का प्रयोग करो लेकिन उसके गुलाम नहीं बनो। कार्यक्रम में अनेक युवाओं ने अपने अनुभव भी साझा किए। नोएडा से आई वर्णिका ने कहा कि मैंने राजयोग के द्वारा जीवन में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई में योग ने मुझे बहुत मदद की और मैंने एनआइटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन बी० के० कमला ने किया। कार्यक्रम में युवाओं को अनेक गतिविधियां भी कराई गईं। अन्त में सभी से जीवन को श्रेष्ठ एवं चरित्रवान बनाए रखने की प्रतिज्ञा भी कराई गई। कार्यक्रम में 1000 से भी अधिक युवाओं ने शिरकत की।

कैप्शन:- 1. बिशन सिंह बेदी, पूर्व क्रिकेटर भारतीय टीम

2. प्रियंका कोठारी, फिल्म अभिनेत्री

3. दादी रतन मोहिनी जी, संयुक्त प्रशासिका ब्रह्माकुमारीज़

4. आशा दीदी
5. दीप प्रज्ज्वलित करते हुए दादी रतनमोहिनी जी, पूर्व क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी, फिल्म अभिनेत्री एवं समाज सेविका प्रियंका कोठारी, आशा दीदी, अनुसुया दीदी, बी० के० रोहित एवं अन्य।
6. कार्यक्रम में उपस्थित युवा
7. मंच से प्रतिज्ञा कराते हुए
8. प्रतिज्ञा करते हुए युवा